University in News on 15 March 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अब महिला अपराध व प्रौढ़ शिक्षा भी पढ़ेंगे पीजी के स्टूडेंट

समाज कार्य विभाग ने अपडेट किया अपना पाठ्यक्रम

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। 'ये कपड़े न पहनो, यहां मत जाओ, इससे दोस्ती न करो, शादी अपने ही बराबर व समाज के लोगों से करो... बगैराह... बगैराह...। ऑनर किलिंग की तो अक्सर चर्चा होती व जानकारी मिलती है, लेकिन बेटियों व महिलाओं को कई बार पितृ सत्तात्मक समाज में प्रतिष्ठा (मान-सम्मान) संबंधित हिंसा से भी दो चार होना पड़ता है।' यही वजह है कि लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने अपने मास्टर ऑफ पॉपुलेशन स्टडीज प्रोग्राम के जुलाई से शुरू होने वाले तीसरे सेमेस्टर के सिलेबस में इसको शामिल किया है ताकि छात्र-छात्राओं को इसके प्रति जागरूक किया जा सके।

'भारत में महिलाओं से संबंधित अपराध' को क्रेडिट कोर्स बनाया गया है, जिसका उद्देश्य इससे जुड़े संवैधानिक नियमों व कानूनों के प्रति जागरूक करना है। विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय ने बताया कि समाज में सम्मान के लिए की जाने वाली हिंसा में भी वृद्धि हुई है। इसलिए इस पर चर्चा और जागरूकता जरूरी हो गई है। पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को महिला अपराध की रोकथाम से जुड़े राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय कमीशन, हेल्पलाइन नंबर, कानून आदि की जानकारी देंगे। जेंडर आधारित हिंसा के प्रति जागरूकता जरूरी है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पॉपुलेशन, फैमिली वेलफेयर को भी शामिल किया गया है।

प्रौढ़ शिक्षा देश के विकास में सहयोगी

विभाग ने अपने दूसरे सेमेस्टर में प्रौढ़ शिक्षा को भी शामिल किया है, जिसमें किसी वजह से पढ़ाई छोड़ने वाले लोगों को फिर से पढ़ाई पूरा करना क्यों जरूरी है, देश के विकास में, साक्षरता दर को बेहतर करने में यह किस तरह उपयोगी है। इस पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। विभाग की डॉ. गरिमा सिंह ने बताया कि एक बार फिर से प्रौढ़ शिक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। सरकार की ओर से नेशनल एडल्ट एजुकेशन, नेशनल लिट्रेसी मिशन जैसी कई योजनाएं भी चलाई गईं। इनकी क्या चुनौतियां हैं, आईसीटी की इसमें क्या भूमिका है, इसके क्या फायदे हैं, देश के विकास में यह कितना सहयोगी है, इस पर विस्तार से पढ़ाया जाएगा।

नकली दवा और दूध की मिलावट पहचानने में लिब्स उपयोगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से रविवार को दो दिवसीय 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डाइवर्स इमर्जिंग मैटेरियल्स एंड देयर एप्लीकेशन' की शुरुआत हुई। पहले दिन इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. एके राय ने अपनी स्वदेशी रूप से निर्मित लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (लिब्स) के बारे में जानकारी दी, जिसका उपयोग चंद्रयान-2 मिशन में भू-वैज्ञानिक स्थितियों का पता लगाने के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि नकली दवा और दूध की मिलावट की पहचान में भी लिब्स उपयोगी है। उन्होंने इसके उपयोग के बारे में भी अवगत कराया। प्रो. प्रफुल्ल कुमार झा, एमएस विश्वविद्यालय बड़ौदा ने थर्मो इलेक्ट्रिक सामग्रियों के विभिन्न पहलुओं और विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित होने वाले अपशिष्ट ऊर्जा में उनके उपयोग पर जोर दिया। इसी सत्र में बीएचयू के प्रो. आरएन राय ने ऑप्टिकल उपकरणों और तरंगों के टेरहर्ट्स जेनरेशन के लिए विभिन्न नॉनलाइनर सामग्रियों के एकल क्रिस्टल विकास के बारे में बताया। सम्मेलन समन्वयक भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि महान भौतिक वैज्ञानिक प्रो. ऐल्बर्ट आइंस्टीन के जन्मदिवस पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश और विदेश के विश्वविद्यालयों के 170 से अधिक प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन में 80 पोस्टर प्रस्तुतियों में से तीन युवा शोधार्थियों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी दिए गए।

लविवि में डाइवर्स इमर्जिंग मैटेरियल्स पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

लविवि : इंजीनियरिंग के 10 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्रों का प्लेसमेंट प्रतिष्ठित कोर कंपनियों में हुआ। इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि जीनस ग्रुप कंपनी मे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के तीन छात्रों, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के दो, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के एक छात्र का चयन नेटवर्क एनालिस्ट इंजीनियर के पद पर और सिविल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एक-एक छात्र का चयन डिजाइन इंजीनियर के पद पर हुआ है। इनका पैकेज तीन लाख रुपये सालाना है। साथ ही एमसीए के दो छात्र सिंगसिस साफ्टवेयर कंपनी में ट्रेनी साफ्टवेयर डेवलपर के पद पर 2.28 लाख प्रतिवर्ष पैकेज पर चयनित हुए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं इंजीनियरिंग संकाय इंचार्ज प्रोफेसर आरएस गुप्ता ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी।

JAGRAN CITY PAGE III

लिब्स से असली-नकली दूध और दवा की भी पहचान

जासं, लखनऊ : 'बाजार में बिकने वाली नकली दवा हो या दूध। इसकी पहचान बहुत आसानी से चंद मिनट में की जा सकेगी। लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (लिब्स) से यह काम आसान होगा। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. एके राय ने स्वदेशी रूप से इसे निर्मित किया है। इसका उपयोग चंद्रयान-2 मिशन में भू-वैज्ञानिक स्थितियों का पता लगाने के लिए किया गया था। रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आए प्रो.राय ने यह जानकारी दी।

भौतिक विज्ञानी प्रो. ऐल्बर्ट आइंस्टीन के जन्मदिवस पर शुरू हुए इस सम्मेलन में 170 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। प्रो. एके राय ने बताया कि अमेरिका से लिब्स तकनीक सीख कर आए। फिर डीआरडीओ ने पैसा दिया। जिसके बाद खुद ही लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (लिब्स) तैयार की। उदाहरण के तौर पर यदि कोई दवा बाजार में बिक रही है तो उसे चंद मिनट में चेक करके पता चल जाएगा कि वह असली है या नकली। इसके अलावा व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हल्दी पाउडर और सब्जियों में गैर वांछित रासायनिक तत्वों का भी पता लगाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-2 के बाद अब चंद्रयान-3 मिशन में भी सरकार लीवर उपकरण युक्त रोवर रखने की योजना बना रही है। इससे वहां पानी, गैस, वातावरण की संरचना आदि की बहुत सी जानकारी मिल सकेगी।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता एमएस विश्वविद्यालय बड़ौदा के प्रो. ने थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्रियों के विभिन्न पहलुओं और विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित होने वाले अपशिष्ट ऊर्जा में उनके उपयोग पर जोर दिया।

लविवि के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से शुरू हुए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा के प्रो. प्रफुल्ल के झा ● सौजन्य से लविवि

दिए गए तीन सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

सेमिनार में सीडीआरआइ-सीएसआइआर से प्रो. तेजेंद्र ठाकुर ने फार्मास्यूटिकल उपयोग के लिए सिंगल और मल्टीकंपोनेंट सालिड मटीरियल्स के बारे में बताया। बीएचडी के प्रो. आरएन राय, प्रो. अंचल श्रीवास्तव, नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नई दिल्ली के डा. बीके गुप्ता ने विचार रखे। कांफ्रेंस की अध्यक्ष प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि अस्सी पोस्टर प्रस्तुतियों में से तीन युवा शोधार्थियों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी दिए गए।

HINDUSTAN PAGE 6

अप्रैल के पहले सप्ताह से प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं

एलयू

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक और परास्नातक के पहले सेमेस्टर की परीक्षा की तैयारी शुरू हो गई है। सभी विभागों की पहले सेमेस्टर की परीक्षा अप्रैल के पहले सप्ताह से शुरू होने की उम्मीद है। पीजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं थ्योरी बेस होंगी। वहीं स्नातक की पहली सेमेस्टर की परीक्षा एमसीक्यू (मल्टीपल च्वॉइस क्वेश्चन) पैटर्न पर होंगी।

विश्वविद्यालय ने पहले पीजी की एमसीक्यू पैटर्न पर परीक्षाएं कराने का निर्णय लिया था, लेकिन परीक्षा समिति की बैठक में एमसीक्यू की जगह थ्योरी आधारित परीक्षाएं कराने पर सहमति बनी। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने सूचना भी जारी कर दी। छात्रों को प्रश्नों को हल करने की सुविधा यूनिट वार न देकर सभी यूनिट से करने की मिलेगी। अभी तक पांच यूनिट में प्रश्न पत्र आता था। पहले प्रश्न में 10 लघु उत्तरीय प्रश्न हल करने अनिवार्य थे। चार अन्य यूनिट में विकल्प था। अब नए पैटर्न में पांचों यूनिट में से कोई भी प्रश्न हल कर सकते हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कोविड की स्थितियां सामान्य हो रही हैं। इसलिए परास्नतक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं पुराने पैटर्न यानी थ्योरी आधारित कराने का फैसला लिया गया था। वहीं स्नातक की परीक्षा एमसीक्यू पैटर्न पर होंगी।

इंजीनियरिंग के 10 छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में दस छात्रों का प्लेसमेंट प्रतिष्ठित कोर कम्पनियों में हुआ। साथ ही एमसीए के दो छात्रों का प्लेसमेंट हुआ।

इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि जीनस ग्रुप कंपनी मे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के तीन छात्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के दो छात्रों एवं कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के एक छात्र का चयन नेटवर्क एनालिस्ट इंजीनियर के पद पर और सिविल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एक-एक छात्र का चयन डिज़ाइन इंजीनियर के पद पर तीन लाख के पैकेज पर हुआ। एमसीए के दो छात्र सिंगसिस सॉफ्टवेयर कंपनी में ट्रेनी सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर 2.28 लाख प्रतिवर्ष पैकेज पर चयनित हुए।

एलयू में महिला अपराध और परिवार कल्याण की भी शिक्षा

बदलाव

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में एमए के कोर्स में कई नए चैप्टर जुड़ेंगे। इसमें छात्र-छात्राएं अब प्रौढ़ शिक्षा, पापुलेशन एवं फैमिली वेलफेयर से लेकर महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध और उनके संरक्षण के उपाय सहित अन्य जानकारियां पढ़ेंगे। दो वर्षीय मास्टर आफ पापुलेशन स्टडीज विषय में इन नए चैप्टर्स को शामिल किया गया है।

समाज शास्त्र विभाग के हेड अनूप भारती ने बताया की आगामी नए सत्र में दूसरे और तीसरे सेमेस्टर में छात्र इन विषयों को पढ़ेंगे। इस कोर्स को मंजूरी भी मिल चुकी है। समाज कार्य विभाग में अभी तक जनसंख्या अध्ययन एवं ग्रामीण विकास के नाम से पाठ संचालित था। अब इसे विशेषीकृत करके जनसंख्या अध्ययन कर दिया गया है। एमए सेकंड सेमेस्टर में पहली बार अंडरस्टेंडिंग अडल्ट एजुकेशन और पापुलेशन एंड फैमिली वेलफेयर को शामिल कर दिया गया है। प्रत्येक के चार-चार क्रेडिट का कोर कोर्स तय किया गया है। प्रौढ़ शिक्षा के अंतर्गत इसकी आवश्यकता एवं विभिन्न कालों में प्रौढ़ शिक्षा की अवधारणा का विकास, महिला समाख्या कार्यक्रम, आदि विषय वस्तु में शामिल किया गया है।

इलेक्टिव पेपर के रूप में महिलाओं के खिलाफ होने वाले भारत में अपराध जैसे मुद्दे को पढ़ाया जाएगा। कोर्स में पापुलेशन एंड फैमिली वेलफेयर को शामिल किया गया है। यह सेकंड सेमेस्टर में पढ़ाया जाएगा। इसके अलावा चौथे सेमेस्टर में फैमिली लाइफ एजुकेशन नाम से इंट्रा डिपार्टमेंट पेपर भी तैयार किया है। शिक्षकों के मुताबिक मास्टर आफ पापुलेशन स्टडीज विषय के पेपर में पहली बार इंटर्नशिप भी अनिवार्य की है।

THE PIONEER PAGE 3

ICDEMA kicks off

PNS ■ LUCKNOW

The two-day International Conference on Diverse Emerging Materials and their Applications (ICDEMA), organised by the Physics department of Lucknow University, kicked off on the occasion of birth anniversary of great physicist Albert Einstein. The international conference included more than 170 participants from various national and foreign universities.

Distinguished speakers from various states presented their recent research works. In the keynote address, Prof Prafulla Kumar Jha from MS University (Vadodara) stressed on the various aspects of thermoelectric materials and their usage in conversion waste dissipated thermal energy into electrical energy.

Prof AK Rai from the University of Allahabad vividly described his indigenously made laser-induced breakdown spectroscopy (LIBS) set-up which was used in Chandrayan-2 mission to trace the geological conditions and also about the use of LIBS in the identification of fake medicine and adulteration of milk, tracing out the various undesirous chemical elements present in the commercially available turmeric powder.

Prof RN Rai from BHU narrated the single crystal growth of various non-linear materials for non-linear optical devices and terahertz generation of waves.

Prof Tejender Thakur from Central Drug Research Institute (CDRI) threw light on the development of single and multicomponent solid materials for pharmaceutical applications. Prof Anchal Srivastava from BHU focused on an astonishing journey from one-dimensional nanotubes to two-dimensional graphenes. Further, the professor discussed the nanofilters, fluorescent screens in radar industry and in biotechnology.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्रियों पर दी जानकारी

लविवि में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ आयोजित

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी डाइवर्स इमरजिंग मेटेरियल्स एंड देयर एप्लीकेशंस का आयोजन हुआ। महान भौतिक वैज्ञानिक प्रो. ऐल्बर्ट आइंस्टीन के जन्मदिवस के अवसर पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन में रविवार को भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने नवीनतम शोध कार्यों को प्रस्तुत किया। जिसकी शुरूआत मुख्य वक्ता एमएस विश्वविद्यालय बड़ौदा के प्रो. प्रफुल्ल कुमार झा ने थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्रियों के विभिन्न पहलुओं और बिजली में परिवर्तित होने वाले अपशिष्ट ऊर्जा में उनके उपयोग पर जोर दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोण एके राय ने अपनी स्वदेशी रूप से निर्मित लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एलआईबीएस) के बारे में विशद रूप से वर्णन कियाए जिसका उपयोग चंद्रयान 2 मिशन में भूवैज्ञानिक स्थितियों का पता लगाने के लिए किया गया था और नकली दवा और दूध की मिलावट की पहचान में एलआईबीएस के उपयोग के बारे में भी अवगत कराया। एलआईबीएस द्वारा व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हल्दी पाउडर और सब्ज़ियों में मौजूद विभिन्न गैर.वांछित रासायनिक तत्वों का भी पता लगाया जाता हैं। इसी सेशन मेन बीएचयू के प्रो.आरएन राय ने ऑप्टिकल उपकरणों और तरंगों के टेरहर्ट्स जेनरेशन के लिए विभिन्न नॉनलिनियर सामग्रियों के एकल क्रिस्टल विकास के बारे में बताया। सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट.सीएसआईआर से प्रो.तेजेंद्र ठाकुर ने फार्मास्युटिकल उपयोग के लिए सिंगल और मल्टीकंपोनेंट सॉलिड मटीरियल्स के विकास पर रोशनी डाली। एक आयामी नैनोट्यूब से दो आयामी रेखांकन तक की आश्चर्यजनक यात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हुए बीएचयू के प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने रडार उद्योग में और जैव प्रौद्योगिकी में नैनोफिल्टर, प्रतिदीप्ति स्क्रीन के बारे में भी चर्चा की।

● तीन युवा शोधार्थियों को मिलेगा सर्वश्रेष्ठपोस्टर पुरस्कार

नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नयी दिल्ली के डाण बीके गुप्ता ने ल्यूमिनसेंट सामग्रियों पर आधारित सुरक्षा वर्णक के अपने स्वदेशी विकास के बारे में अवगत करायाए जो हमारी मुद्रा, पासपोर्ट और कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए समय की तत्काल आवश्यकता है। अस्सी पोस्टर प्रस्तुतियों में से तीन युवा शोधार्थियों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी दिए गए। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों के 170 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

PIONEER PAGE 4

एलयू इंजीनियरिंग संकाय के 10 छात्रों का कैम्पस प्लेसमेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की तरफ से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्रों का प्लेसमेंट प्रतिष्ठित कोर कम्पनियों में हुआ है। इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि ज़ीनस ग्रुप कंपनी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के तीन छात्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के दो छात्रों एवं कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के एक छात्र का चयन नेटवर्क एनालिस्ट इंजीनियर के पद पर और सिविल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एक एक छात्र का चयन डिज़ाइन इंजीनियर के पद पर तीन लाख प्रतिवर्ष पैकेज पर हुआ। साथ ही एमसीए के दो छात्र सिंगसिस सॉफ्टवेयर कंपनी में ट्रेनी सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर 2.28 लाख प्रतिवर्ष पैकेज पर चयनित हुए हैं।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत नवीनतम शोध कार्य

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा रविवार को भौतिक वैज्ञानिक प्रो. ऐल्वर्ट आइंस्टीन के जन्मदिवस के अवसर पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ किया गया। सम्मेलन में देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 170 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

रविवार को शुरू हुए ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन में भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने नवीनतम शोध कार्यों को प्रस्तुत किया, जिसमें मुख्य वक्ता एमएस विश्वविद्यालय, वड़ौदा प्रो. प्रफुल्ल कुमार ने थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्रियों के पहलुओं और विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित होने वाले अपशिष्ट ऊर्जा में उनके उपयोग पर जोर दिया। इलाहावाद विश्वविद्यालय के प्रो. ए.के. राय ने अपनी स्वदेशी रूप से निर्मित लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप के वारे में वर्णन किया, जिसका उपयोग चंद्रयान-दो मिशन में भूवैज्ञानिक स्थितियों का पता लगाने के लिए किया गया था और नकली दवा व दूध की मिलावट की पहचान में एलआईवीएस के उपयोग के वारे में भी अवगत कराया।

एलआईवीएस द्वारा व्यावसायिक रूप से उपलव्ध हल्दी पाउडर और शब्जियों में मौजूद विभिन्न गैर-वांछित रासायनिक तत्वों का भी पता लगाया जाता हैं। इसी सेशन में वीएचयू के प्रो. आर.एन. राय ने ऑप्टिकल उपकरणों और तरंगों के टेरहर्ट्स जेनरेशन के लिए विभिन्न नॉन लीनियर सामग्रियों के एकल क्रिस्टल विकास के वारे में वताया। सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट-सीएसआईआर से प्रो. तेजेंद्र ठाकुर ने फार्मास्युटिकल उपयोग के लिए सिंगल और मल्टीकंपोनेंट सॉलिड मटीरियल्स के विकास पर रोशनी डाली। एक आयामी नैनोट्यूव से दो आयामी रेखांकन तक की आश्चर्यजनक यात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने रडार उद्योग में और जैव प्रौद्योगिकी में नैनोफिल्टर, प्रतिदीप्ति स्क्रीन के वारे में चर्चा की।

नेशनल फिजिकल लेवोरेट्री, नयी दिल्ली के डा. वी.के. गुप्ता ने ल्यूमिनसेंट सामग्रियों पर आधारित सुरक्षा वर्णक के अपने स्वदेशी विकास के वारे में अवगत कराया जो हमारी मुद्रा, पासपोर्ट और कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए समय की तत्काल आवश्यकता है। अस्सी पोस्टर प्रस्तुतियों में से तीन युवा शोधार्थियों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी दिए गए।

लविवि के 10 छात्रों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

इंजीनियरिंग संकाय के 130 छात्रों का हुआ चयन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से रविवार को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्रों का प्लेसमेंट प्रतिष्ठित कोर कम्पनियों में हुआ। इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि जीनस ग्रुप कंपनी मे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के तीन छात्रोंए इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के दो छात्रों और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के एक छात्र का चयन नेटवर्क एनालिस्ट इंजीनियर के पद पर और सिविल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के एक.एक छात्र का चयन डिजाइन इंजीनियर के पद पर तीन लाख प्रति वर्ष पैकेज पर हुआ। साथ ही एमसीए के दो छात्र सिंगसिस सॉफ्टवेयर कंपनी में ट्रेनी सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर 2.28 लाख प्रति वर्ष पैकेज पर चयनित हुए। विश्वविद्यालय में अब तक इंजीनियरिंग संकाय के 130 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित व मल्टी नेशनल कम्पनीज में हो चुका है।

AMRIT VICHAR PAGE 3

कार्यक्रम | लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

थर्मोइलेक्ट्रिक के विभिन्न पहलुओं को दी जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी डाइवर्स इमरजिंग मेटेरियल्स एंड देयर एप्लीकेशंस का आयोजन हुआ। महान भौतिक वैज्ञानिक प्रो. ऐल्बर्ट आइंस्टीन के जन्मदिवस के अवसर पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

ब्रेन स्टॉर्मिंग सेशन में रविवार को भारत के विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने नवीनतम शोध कार्यों को प्रस्तुत किया। जिसकी शुरुआत मुख्य वक्ता एमएस विश्वविद्यालय बड़ौदा के प्रो. प्रफुल्ल कुमार झा ने थर्मोइलेक्ट्रिक सामग्रियों के विभिन्न पहलुओं और बिजली में परिवर्तित होने वाले अपशिष्ट ऊर्जा में उनके उपयोग पर जोर दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. एके राय ने अपनी स्वदेशी रूप से निर्मित लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एलआईबीएस) के बारे में विशद रूप से वर्णन किया, जिसका उपयोग चंद्रयान 2 मिशन में भूवैज्ञानिक स्थितियों का पता लगाने के लिए किया गया था और नकली दवा और दूध की मिलावट की पहचान में एलआईबीएस के उपयोग के बारे में भी अवगत कराया। एलआईबीएस द्वारा व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हल्दी पाउडर और सब्ज़ियों में मौजूद विभिन्न गैर-वांछित रासायनिक तत्वों का भी पता लगाया जाता हैं।

इसी सेशन मेन बीएचयू के प्रो. आरएन राय ने ऑप्टिकल उपकरणों और तरंगों के टेरहर्ट्स जेनरेशन के लिए विभिन्न नॉनलिनियर सामग्रियों के एकल क्रिस्टल विकास के बारे में बताया। सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट-सीएसआईआर से प्रो. तेजेंद्र ठाकुर ने फार्मास्युटिकल उपयोग के लिए सिंगल और मल्टीकंपोनेंट सॉलिड मटीरियल्स के विकास पर रोशनी डाली। एक आयामी नैनोट्यूब से दो आयामी रेखांकन तक की आश्चर्यजनक यात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हुए बीएचयू के प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने रडार उद्योग में और जैव प्रौद्योगिकी में नैनोफिल्टर, प्रतिदीप्ति स्क्रीन के बारे में भी चर्चा की। नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नयी दिल्ली के डा. बीके गुप्ता ने ल्यूमिनसेंट सामग्रियों पर आधारित सुरक्षा वर्णक के अपने स्वदेशी विकास के बारे में अवगत कराया, जो हमारी मुद्रा, पासपोर्ट और कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए समय की तत्काल आवश्यकता है। अस्सी पोस्टर प्रस्तुतियों में से तीन युवा शोधार्थियों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार भी दिए गए। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न देशी और विदेशी विश्वविद्यालयों के 170 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

प्रोत्साहन

- तीन युवा शोधार्थियों को मिलेगा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार
- विभिन्न विश्वविद्यालयों के 170 से अधिक प्रतिभागी हुए शामिल